

Dr.Raman Kumar Thakur

Assistant professor (Guest)

Department of Economics,

D.B.College Jaynagar, Madhubani.

L.N.M.U.Darbhanga.

Class:- B.A.part-2(Hons) Paper-4

Date:-21 May 2020

TOPIC:- "नियोजन काल में भारत का आर्थिक विकास"

(पूर्व व्याख्यान से आगे)

4).चतुर्थ पंचवर्षीय योजना और औद्योगिक विकास(1969-74)(Fourth five year plan and industrial development ,1969-74).

चौथी योजना काल में औद्योगिक प्रगति बहुत असंतोषजनक रही । अनेक निर्धारित लक्ष्यों से हम बहुत पीछे रहें हैं। इस अवधि में औद्योगिक उत्पादन में हुई औसत वार्षिक वृद्धि दर 3.9% के लगभग थी,जबकि इसके लिए निर्धारित लक्ष्य 7.7% था. वैसे तो दूसरी योजना और तीसरी योजना के संबंध में भी निर्धारित लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सका, लेकिन चौथी योजना के निर्धारित लक्ष्य से हम कहीं अधिक पीछे रहे हैं।

चौथी योजना में औद्योगिक क्षेत्र में निवेश के लिए 3,107 करोड़ रुपए रखे गए जो कुल व्यय का 19.5 प्रतिशत था। सार्वजनिक क्षेत्र में 2,864.5 करोड़ रुपए तथा लघु उद्योग के विकास के लिए 243 करोड़ रुपए व्यय किए गये ।

चौथी योजना काल में धीमी गति रहने के कारण अनेक थे ,जैसे -बिजली, रेल डिब्बे की कमी, कच्चा माल व अन्य आवश्यक सामान की अपर्याप्त उपलब्धि ,पाकिस्तान के साथ युद्ध, विदेशी सहायता में कटौती, श्रम संबंधी झगड़े आदी।

5). पांचवी पंचवर्षीय योजना एवं औद्योगिक विकास- 1974-79)(Fifth five year plan and industrial development,1974-79) :-इस योजना में औद्योगिक विकास का लक्ष्य 7% प्रतिशत वार्षिक निर्धारित किया गया किंतु वास्तविक विकास दर योजना के 4 वर्षों में 5.9% के स्तर पर ही रह गई । 1976-77 में आपातकालीन अनुशासन और नियमन के कारण औद्योगिक विकास दर 9.6% के उच्च स्तर पर पहुंच गई थी किंतु राजनीतिक कारणों से यह योजना 1 वर्ष पूर्व ही 31 मार्च 1978 को समाप्त

घोषित कर दी गई। इस योजना में कुल व्यय का 25% औद्योगिक क्षेत्र के लिए रखा गया तथा सार्वजनिक क्षेत्र में 8,989 करोड़ रुपए तथा लघु उद्योगों पर 593 करोड़ रुपए व्यय किया गया। अतः कुल व्यय 9,581 करोड़ रुपए किया गया।

6). छठी पंचवर्षीय योजना एवं औद्योगिक विकास-1980-85)(Sixth five year plan and industrial Development ,1980-85):-

इस योजना के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सरकार ने देश की औद्योगिक नीति में व्यापक परिवर्तन करके आयात निर्यात नीति को अधिक उदार बनाया किंतु इस योजना में भी 5.5% वार्षिक औद्योगिक विकास दर ही पहुंच सकी जिसके प्रमुख उत्तरदायी कारण हैं- बिजली उत्पादन की कमी, औद्योगिक अशांति, परिवहन सुविधाओं का अभाव, साधनों का अकुशल प्रयोग।

इस योजना में कुल व्यय 16,945 करोड़ रुपए में से छोटे-बड़े उद्योग और खनिज संबंधी विकास कार्यक्रम के लिए 14,790 करोड़ रुपए व्यय किये गये। लघु उद्योगों पर 1,945 करोड़ रुपए व्यय किये गये ।

(लगातार...)